म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

भाषा और साक्षरता

भाषा और साक्षरता के लिए जोड़ी में कार्य

भारत में विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रक्रिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

TESS-India (विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा) का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in)। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भो के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भो को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन (संकेत) दिया गया है: . इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट http://www.tess-india.edu.in/ पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण *2.0* *LL13v1*
Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: *http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/*

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह अध्याय आपके भाषा के पाठों के दौरान जोड़ियों में काम करने की योजना बनाने और उसके प्रबंधन पर केंद्रित है। कई प्रकार की गतिविधियों के माध्यमों में जोड़ियों में काम करना आपके शिक्षण के तरीकों के ख़ज़ाने में से एक बेहद प्रभावी तरीका हो सकता है।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं?

- भाषा पाठों में जोड़ियों में काम करने की योजना बनाना व उसका प्रबंधन करना।
- कक्षा प्रबंधन तकनीकों के अपने ख़ज़ाने का विस्तार करना।
- जोड़ियों में काम को अपने विद्यार्थियों के भाषायी व साक्षरता विकास के अवसर के रूप में उपयोग करना।

यह तरीका क्यों महत्वपूर्ण है

दैनिक परिस्थितियों में, लोग एक-दूसरे के साथ काम करते हैं, बातें करते व सुनते हैं, देखते हैं, सहयोग करते हैं, सुझाव देते व मदद करते हैं। कुछ प्रकार के सहयोग से विचार-विमर्श को बढ़ावा मिलता है और काम करने के विभिन्न तरीके निकलते हैं। यदि कक्षा में सबकुछ शिक्षक पर ही केंद्रित रहेगा, तो विद्यार्थियों के प्राकृतिक व एक-दूसरे के लिए लाभकारी तरीकों से अन्वेषण, चर्चा, प्रश्न, प्रयोग व सीखने के अवसर बहुत कम रह जाएँगे। जोड़ियों में काम करना आपके भाषायी पाठों में बातचीत आधारित सीखने के अवसरों को जोड़ने का बहुत प्रभावी तरीका है।

जोड़ी में कार्य करना सभी आयु वर्गों और विषयों के लिए उपयुक्त होता है। क्योंकि इससे बहुत से विद्यार्थी एक साथ बात कर सकते हैं, इसलिए बड़ी कक्षाओं के लिए यह विशेष रूप से प्रभावी है। यह बेहद समावेशी है, क्योंकि इससे सभी विद्यार्थियों को बातचीत करनी पड़ती है। यह विशेषकर बहुभाषी, बहु-स्तरीय कक्षाओं में उपयोगी है, क्योंकि आपके विद्यार्थिया की आवश्यकताओं के अनुसार लचीलेपन व सहयोग से जोड़ियाँ बनाई जा सकती हैं। चाहे आप समान दक्षता स्तरों, भिन्न दक्षता स्तरों, समान भाषा के कारण मित्रता आदि के आधार पर विद्यार्थियों को आपस में जोड़ते हैं या उन्हें किसी भी क्रम में बाँटते हैं, जोड़ी बनाने की अपनी पद्धति का असर सीखने को प्रोत्साहित करने के साथ ही कक्षा में मित्रता को बढ़ावा देगा।

1 आपको जोड़ियों में काम करने का किस प्रकार उपयोग करना चाहिए?

गतिविधि 1 आपको अपने भाषायी पाठों के लिए जोड़ियों में काम करने पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

गतिविधि 1: कक्षा में जोड़ियों में काम करने पर विचार करना

यदि संभव हो तो एक साथी शिक्षक के साथ संसाधन 1, 'जोड़ियों में काम का उपयोग' पढ़ने से आरंभ करें। आप इस पाठ से शिक्षक के रूप में अपने लिए जिन्हें मुख्य शिक्षण बिंदु मानते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

एक दो पाठों पर ध्यान दें जो आपने हाल में पढ़ाए हों। ये भाषा या किसी विशिष्ट विषय पर केंद्रित हो सकते हैं।

- क्या इनमें जोड़ियों में काम करने के अवसर थे? अगर ऐसा था, तो वे कौन-कौन से अवसर थे ?
- क्या आपने अपने विद्यार्थियों से जोड़ियों में काम करवाने के लिए उनका उपयोग किया? यदि हाँ, तो वे कितने सफल रहे?
- यदि आप जोड़ियों में काम के लिए नए हैं, तो अपनी कक्षा के लिए इसे सतत प्रक्रिया बनाने मे आपको क्या चिंताएँ हैं?

वीडियो: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना

2 जोड़ियों में काम करने के उदाहरण

इस पहली केस स्टडी में आप एक ऐसे शिक्षक के बारे में पढ़ेंगे, जिन्होंने कविता लेखन की गतिविधि पर जोड़ी में काम का उपयोग किया।

केस स्टडी 1: कविता की कक्षा में जोड़ियों में काम

श्री आचार्य छतरपुर के बाहर एक छोटे विद्यालय में काम करते हैं। उनके कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की क्षमताएँ कई भिन्न स्तरों की हैं। यहाँ उन्होंने बताया है कि विद्यार्थियों की कविता लेखन में मदद के लिए उन्होंने जोड़ियों में काम का उपयोग कैसे किया।

मेरे विद्यार्थी अरुण कोलटकर व अमित चौधरी की कुछ सामयिक कविताएँ ज़ोर से पढ़ते रहते थे। उन्होंने स्वयं भी कुछ कविताएँ लिखी थीं। इस बार मैंने तय किया कि उनसे जोड़ियों में यह काम करवाया जाए।

मैंने एक ऐसा विषय चुना, जो मेरे अनुसार उनके लिए प्रासंगिक था: मित्रों के साथ बहस। मैंने पूरी कक्षा से कुछ प्रश्न करते हुए विषय का परिचय दिया। इनमें शामिल थे:

- 'पिछली बार तुम्हारी किसी मित्र से अनबन कब हुई थी?'
- 'वह कोई छोटी सी बहस थी या बड़ी?'
- 'उसके बाद तुम्हें कैसा महसूस हुआ?'
- 'क्या उस अनबन को हल कर लिया गया?'
- 'यदि हाँ, तो यह कैसे हुआ? इसमें कितना समय लगा?'
- 'यदि नहीं, तो क्या तुम्हें अब भी इसके हल होने की उम्मीद है?'
- 'क्या तुम्हारी मित्रता अब भी पहले जैसी है?'

इस विषय पर बहुत चर्चा हुई, जिसमें कई विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मैंने उनके द्वारा उपयोग किए गए कुछ शब्द व पद बोर्ड पर लिखे, जिससे वे अपने लेखन में इनका उपयोग कर सकें।

इसके बाद, मैंने उनसे कहा कि वे जोड़ियों में काम करने वाले हैं और उन्हें 'बहस' नाम की कविता लिखनी हैं। मैंने विद्यार्थियों से उनके पास बैठे विद्यार्थी के साथ काम करने को कहकर जोड़ियाँ बना दीं। मैंने समझाया कि उन्हें एक-एक करके कविता की पंक्तियाँ बनानी चाहिए और उन्हें लिखते जाना चाहिए। 30 मिनट बाद, मैंने प्रत्येक जोड़ी से एक विद्यार्थी को उनकी पूरी - या आधी - कविता पढ़ने को कहा।

एक जोड़ी द्वारा लिखी गई कविता यह थी:

> 'बहस'
>
> मेरी मित्र अमवी से मेरी बहस हुई
> हम मंदिर के पास थे जब उसने एक बूढ़े से बात कह दी कोई
> वह था ग़रीब और कुछ गंदा सा
> लेकिन मेरी मित्र को उसपर न दया आई
> मैंने कहा तुमने ठीक नहीं किया
> उसने कहा इसकी उसे परवाह नहीं कोई
> लगा मुझे बूढ़े दादा के लिए बुरा
> चल पड़ा मैं उससे बिना बात किए कोई

मेरे विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कविताएँ उन स्थितियों व भावनाओं के बारे में थीं, जिनका उन्होंने अनुभव किया था और जिन्हें वे समझते थे। जोड़ियों में बात करने से वे अपने विचारों को साझा कर सके और यह सोच सके कि उन्हें लेखन के माध्यम से कैसे प्रकट किया जाए।

जब मैं जोड़ियों में कार्य करने के लिए कहता हूँ, तो मैं गतिविधि को बहुत कम अंतराल का रखता हूँ, जिससे मेरे विद्यार्थी इस बात पर अधिक ध्यान न दें कि उन्हें किसके साथ रखा गया है और दिए गए समय में काम को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें। लेकिन मैंने महसूस किया है कि वे जल्दी ही इस तरह कार्य करने के आदी हो गए हैं।

विचार कीजिए

- क्या आपको लगता है कि 'बहस' विषय विद्यार्थियों के जोड़ियों में काम करने के लिए अच्छा चुनाव है? क्या इस विषय के कोई नकारात्मक प्रभाव हैं?
- संसाधन 1 को पढ़कर क्या आपको लगता है कि श्री आचार्य का पाठ समावेशी था? उन्हें कैसे पता लगता कि उनकी कक्षा के सभी विद्यार्थियों ने स्वयं को कक्षा में चर्चा व जोड़ी में लेखन की गतिविधि का भाग महसूस किया?
- यदि आप यह पाठ पढ़ा रहे होते, तो आप लेखन गतिविधि के लिए जोड़ियाँ कैसे बनाते: विद्यार्थियों को उनके दक्षता के स्तर बराबर या भिन्न होने के आधार पर, उनकी घरेलू भाषा समान है, वे मित्र हैं या नहीं, या यादृच्छिक रूप से? अपने चयन का आधार बताएँ।
- आप ऐसे विद्यार्थियों को इस गतिविधि में भाग लेने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेंगे, जिन्हें कविता लिखने का आत्मविश्वास या उसमें रुचि नहीं है?

अगली केस स्टडी में, एक शिक्षक ने लेखन कार्य के समर्थन के लिए जोड़ियों में संवाद आयोजित किए हैं।

केस स्टडी 2: नेवला और कोबरा

सुश्री अंजू बुरहानपुर के एक विद्यालय में पढ़ाती हैं। यहाँ वे एक जोड़ियों वाली गतिविधि के बारे में बता रही हैं, जो उन्होंने अपनी कक्षा छठी के विद्यार्थियों के साथ की थी।

मेरे विद्यार्थी स्थानीय जानवरों के बारे में सीख रहे थे। उन्हें पता था कि नेवले कीड़े, पक्षी, केंचुए, साँप, छिपकलियाँ व केकड़े खाते हैं। वे बहुत तेज़ होते हैं। उनकी मोटी चमड़ी उन्हें साँप के ज़हर से बचाती है। उन्हें पता था कि कोबरा अपनी गरदन को फैला कर फ़न काढ़ सकते हैं। ख़तरे में होने पर एक हिस्स की आवाज़ के साथ यह उनका चेतावनी देने का तरीका होता है। वे मुख्यत: अन्य साँपों, छोटे जानवर और पक्षी खाते हैं।

मैंने इस विषय से जुड़े एक भाषायी पाठ की योजना बनाई। मैंने अपने विद्यार्थियों से पूछना शुरू किया कि उन्हें नेवले और कोबरा के जीवन के बारे में क्या पता है। मेरे प्रश्नों में शामिल थे:

- 'वे कैसे दिखते हैं?'
- 'वे कया खाते हैं?'
- 'एक दूसरे का सामने होने पर वे कैसी प्रतिक्रिया देंगे?'

मैंने बोर्ड पर कीवर्ड लिखे, जैसे 'तेज़', 'चमड़ी', 'चेतावनी' और 'ज़हर'। पाठ के पहले भाग में 15 मिनट लगे।

फिर मैंने अपने विद्यार्थियों को अपने पास बैठे विद्यार्थी के साथ काम करने को कहा। मैंने उनसे यह निर्णय करने को कहा कि उनमें से कौन नेवला था और कौन कोबरा, और यह सोचने को कहा कि यदि वे जंगल में मिलें तो एक-दूसरे से क्या कहेंगे। मैंने उन्हें दोनों जीवों के बीच एक संवाद बनाने के लिए 15 मिनट दिए, जिसमें वे चाहें तो विभिन्न आवाज़ों के साथ इशारों का उपयोग भी कर सकते थे। कुछ विद्यार्थियों ने संवाद के लिए घर की भाषा का या घर व विद्यालय में उपयोग की भाषा का मिश्रण किया। जब वे काम कर रहे थे, मैं उन्हें देख रही थी और उनके अनुरोध पर बोर्ड पर की वर्ड लिखती रही। कई विद्यार्थी बहुत जोश में बात कर रहे थे।

चित्र 1 'नेवला व कोबरा' गतिविधि में भाग लेना।

फिर मैंने विद्यार्थी जोड़ियों को आगे आकर कक्षा के सामने अपनी भूमिका दिखाने को कहा। मैंने कुछ शर्मीले किस्म के विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहित करने की कोशिश की। अन्य विद्यार्थियों ने ध्यान से सुना व प्रत्येक प्रदर्शन पर तालियाँ बजाईं। जब एक संवाद उनकी घरेलू भाषाओं में से एक में था

तो मैंने उसके अंत में बाकी की कक्षा को उसे विद्यालय की भाषा में अनूदित करने के लिए आमंत्रित किया। मैंने प्रस्तुतियों के लिए 30 मिनट का समय दिया।

समाप्त करने के लिए, मैंने विद्यार्थियों की जोड़ियों को अपने संवाद को अपनी अभ्यास पुस्तिकाओं में लिखने को कहा, और वे चाहें तो उनके चित्र भी बना सकते थे। मैंने उन्हें इस अंतिम कार्य के लिए 15 मिनट दिए।

विचार कीजिए

- क्या सुश्री अंजू द्वारा इस पाठ के विभिन्न भागों के लिए नियत समय आपके विद्यालय के संदर्भ में कारगर रहेगा? पाठ को दो लगातार दिनों में बाँटने के लिए आप समय को किस प्रकार अनुकूलित करेंगे?
- सुश्री अंजू किन दूसरे तरीकों से इस गतिविधि में घरेलू भाषा का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर सकती थीं?
- नोट करें कि कैसे इस पाठ के प्रत्येक भाग ने सुश्री अंजू को अपने विद्यार्थियों के पर्यवेक्षण, उनके मूल्यांकन व समर्थन का अवसर दिया। आपके अनुसार वे उनकी समीक्षा के दौरान क्या देख रही थीं?
- सुश्री अंजू ने इस बोलने व लिखने की गतिविधि में पढ़ने का चरण कैसे डाला होगा?

जोड़ियों में काम करना विद्यार्थियों के पर्यवेक्षण व उनके मूल्यांकन के कई अवसर देता है। पर्यवेक्षण में ये शामिल हो सकते हैं:

- कक्षा में घूमना, समीक्षा व सुनना।
- यह जाँचना कि सभी ने निर्देश समझ लिए हैं व पसंदीदा तरीके से काम कर रहे हैं।
- उन विद्यार्थियों के बारे में टिप्पणी लिखना जो अच्छे से सहयोग कर या नहीं कर पा रहे हैं।
- शाबासी देना, समर्थन व प्रोत्साहन देना।
- सामान्य त्रुटियों की पहचान करना।

चित्र **2** जोड़ियों में काम का पर्यवेक्षण।

मूल्यांकन विद्यार्थियों की भाषा के विकास से संबद्ध हो सकता है, जैसे उनके द्वारा:

- घरेलू या विद्यालय की भाषा में बोलते समय उपयुक्त शब्दावली व अभिव्यंजना का उपयोग।
- इसे लिखित रूप में अनूदित करने की उनकी क्षमता।
- जोड़ी में काम करने में दिए गए योगदान की प्रकृति।
- कल्पना कर पाना।
- अपने सहपाठियों के समक्ष प्रदर्शन की क्षमता।

प्रमुख संसाधन 'प्रगति व प्रदर्शन का मूल्यांकन' आपकी कक्षा के विद्यार्थियों के मूल्यांकन के अतिरिक्त तरीके बताता है।

वीडियो: प्रगति और प्रदर्शन का आकलन करना

3 जोड़ी में काम करने वाले पाठ की योजना बनाना

अब गतिविधि 2 का प्रयास करें।

गतिविधि 2: जोड़ी में काम करने वाले पाठ की योजना बनाना

इस गतिविधि में, आप एक पाठ की योजना बनाएँगे, जिसमें अधिकतम 20 मिनट जोड़ियों में काम करना होगा। संसाधन 1 के कार्य प्रकारों के उदाहरणों की समीक्षा करें:

- विचार करें–जोड़ा बनाएं–साझा करें
- जानकारी साझा करना
- सुनने जैसे कौशलों का अभ्यास करना
- निर्देशों का पालन करना
- कहानी सुनाना या भूमिका अदा करना।

संसाधन 1 के विचारों व मार्गदर्शन का उपयोग करके और केस स्टडी 1 व 2 से सीख लेकर, एक ऐसे विषय का चयन करें, जिसके बारे में बात करने या लिखने में आपके विद्यार्थियों की रुचि जागृत हो। आप उसे कक्षा की भाषा व साक्षरता पुस्तक के किसी अध्याय पर, समुदाय के किसी हाल के आयोजन पर या किसी स्थानीय या राष्ट्रीय समाचार पर आधारित रख सकते हैं। यह सोचें कि जोड़ियों में काम करने से पहले आपके विद्यार्थी प्रोत्साहन के लिए क्या पढ़ेंगे, या उसके बाद पढ़ने के क्या अवसर होंगे।

चित्र **3** जोड़ी में काम करने वाले पाठ की योजना बनाना।

आरंभ में अपनी कक्षा को सावधानी से तैयार करना महत्वपूर्ण है।

1. विद्यार्थियों को यह समझाएँ कि आपके द्वारा उन्हें जोड़ियों में बाँटने से पहले वे क्या करेंगे।
2. एक स्वयंसेवक के साथ यह प्रदर्शित करें कि उनसे क्या करने की अपेक्षा है।
3. कुछ विद्यार्थियों को बुलाकर उनकी समझ को जानने के लिए उनसे यह वापस समझाने को कहें। यदि वे चाहें तो अपने घर की भाषा में यह स्पष्टीकरण दे सकते हैं।
4. जोड़ियों में बात करने के लिए धीमी आवाज़ नियत करें। फिर भी, आपको कक्षा में कुछ आवाज़ होने को स्वीकार करना चाहिए, जो आपके विद्यार्थियों के कार्य में लगे होने का लक्षण होगा।

5. गतिविधि के लिए स्पष्ट समय सीमा निर्धारित करें। अपने हाथों, या एक घंटी का संकेत नियत करें, जिससे यह इंगित हो कि अब विद्यार्थियों को रुक जाना चाहिए।
6. विद्यार्थियों की जोड़ियाँ बनाएँ। यह अग्रिम तौर पर कैसे करना है इस बारे में सोंचें, यह सुनिश्चित करें कि किसी जोड़ी में कोई भागीदार दूसरे के दबाव में न आए।
7. संभव हो तो इन जोड़ियों को कमरे के विभिन्न भागों में भेज दें, या कुछ को बाहर स्थान दें।
8. जो जोड़ियाँ काम जल्दी ख़त्म कर लें उनके लिए एक या दो अतिरिक्त गतिविधियाँ रखें।
9. काम करते समय अपने विद्यार्थियों पर ध्यान दें, उनकी जोड़ियों में उनकी बात सुनें और अवलोकन करें व आवश्यक होने पर उनकी मदद करें।
10. कुछ विद्यार्थियों का चयन करके भविष्य के पाठों में अन्य विद्यार्थिया का मूल्यांकन करने के लक्ष्य के साथ इस गतिविधि के दौरान उनकी भाषा का मूल्यांकन करें।
11. अपनी कक्षा को फ़ीडबैक देने का समय रखें और यदि उपयुक्त, हो तो पाठ के अंत में या अगले दिन कुछ विद्यार्थियों को अपना काम दूसरों को दिखाने दें। अपने कार्य को प्रस्तुत करना व अन्य ने जो किया है वह सुनना, विद्यार्थियों को सीखने के अतिरिक्त और मूल्यवान अवसर देता है, जैसा कि एक-दूसरे के लिखित कार्य को पढ़ने से होता है।

गतिविधि 3: जोड़ियों में काम करने के लाभ और हानियाँ

अपनी जोड़ियों वाली गतिविधि को कर लेने के बाद, समीक्षा करें कि वह कैसी रही। यदि कर सकें तो अपने अनुभव के बारे में किसी सहकर्मी से बात करें। तालिका 1 के किन्हीं लागू होने वाले कथनों को चिह्नित करें और स्वयं अपने कथन जोड़ें।

*तालिका **1** जोड़ियों में काम करने के लाभ और हानियाँ*

जोड़ियों में काम करने के फ़ायदे		जोड़ियों में काम करने में समस्याएँ	
'पारंपरिक' पाठ की बजाय कक्षा में विद्यार्थियों को बोलने का अधिक समय देता है		विद्यार्थी जोड़ियों में काम करने के आदी नहीं होते व उन्हें इसके लिए काफ़ी मदद की आवश्यकता होती हैं।	
सामाजिक रूप से शिक्षण व सहयोग को प्रोत्साहन मिलता है - इस संभावना के साथ कि एक-दूसरे को अच्छी तरह न जानने वाले विद्यार्थिया के बीच सकारात्मक संबंध बनेंगे।		जोड़ियाँ दिए गए कार्य के अलावा अन्य चीज़ों के बारे में बात कर सकती हैं	
एक ही कार्य के लिए कई प्रकार के कल्पनाशील परिणामों को प्रोत्साहन मिलता है		शोर का उच्च स्वर	
विद्यार्थियों के काम करते समय मैं उनका पर्यवेक्षण व मदद कर सकता/सकती हूँ		भागीदारों की हमेशा एक-दूसरे से नहीं बन पाती	
		जोड़ियों द्वारा कार्य समाप्त करने का समय अलग-अलग होता है	
		शिक्षक की ओर से बहुत अधिक एकाग्रता व निगरानी की आवश्यकता होती है	

आपके सामने आई कुछ समस्याएँ अपने विद्यार्थियों को जोड़ियों में काम करने के लाभ संभवत: उनके घर की भाषा में समझाकर और उन्हें धीमे-धीमे इस प्रकार के कार्य से परिचित करवाकर कम की जा सकती हैं। प्रत्येक पाठ के पहले ऐसी जोड़ियाँ बनाएँ, जो सबसे अधिक सहयोगी हों, उन्हें अपने प्रेक्षण के अनुसार बदलें व जिससे कार्य करने के विभिन्न प्रतिमान रखे जा सकें। जोड़ियों में काम करने के बारे में आप अपने विद्यार्थियों के विचार - सकारात्मक व नकारात्मक - भी पूछ सकते हैं, लेकिन इस प्रकार की चर्चाओं को संवेदनशीलता के साथ संचालित करना महत्वपूर्ण है।

4 सारांश

यह अध्याय आपके भाषा के पाठों के दौरान जोड़ियों में काम करने की योजना बनाने और उसके प्रबंधन पर केंद्रित था। कई प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक, सहयोगपूर्ण रूप में जोड़ियों में काम आपके शिक्षण के तरीकों के ख़जाने में से एक बेहद प्रभावी तरीका हो सकता है।

संसाधन

संसाधन 1: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना

प्रतिदिन की स्थितियों में लोग काम करते हैं, और साथ-साथ दूसरो से बोलते हैं और उनकी बात सुनते हैं, तथा देखते हैं कि वे क्या करते हैं और कैसे करते हैं। लोग इसी तरह से सीखते हैं। जब हम दूसरों से बात करते हैं, तो हमें नए विचारों और जानकारियों का पता चलता है। कक्षाओं में अगर सब कुछ शिक्षक पर केंद्रित होता है, तो अधिकतर विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई को प्रदर्शित करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता। कुछ विद्यार्थी केवल संक्षिप्त उत्तर दे सकते हैं और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोल सकते। बड़ी कक्षाओं में, स्थिति और भी बदतर है, जहां बहुत कम विद्यार्थी ही कुछ बोलते हैं।

जोड़ी में कार्य का उपयोग क्यों करें?

जोड़ी में कार्य विद्यार्थियों के लिए ज्यादा बात करने और सीखने का एक स्वाभाविक तरीका है। यह उन्हें विचार करने और नए विचारों तथा भाषा को कार्यान्वित करने का अवसर देता है। यह विद्यार्थियों को नए कौशलों और संकल्पनाओं के माध्यम से काम करने और बड़ी कक्षाओं में भी अच्छा काम करने का सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।

जोड़े में कार्य करना सभी आयु वर्गों और लोगों के लिए उपयुक्त होता है। यह विशेष तौर पर बहुभाषी, बहुग्रेड कक्षाओं में उपयोगी होता है, क्योंकि एक दूसरे की सहायता करने के लिए जोड़ों को बनाया जा सकता है। यह सर्वश्रेष्ठ तब काम करता है जब आप विशिष्ट कार्यों की योजना बनाते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं की स्थापना करते हैं कि आपके सभी विद्यार्थी शिक्षण में शामिल हैं और प्रगति कर रहे हैं। एक बार इन प्रक्रियाओं को स्थापित कर लिए जाने के बाद, आपको पता लगेगा कि विद्यार्थी तुरंत जोड़ों में काम करने के अभ्यस्त हो जाते हैं और इस तरह सीखने में आनंद लेते हैं।

जोड़े में कार्य करने के लिए काम

आप शिक्षण के अभीष्ट परिणाम के आधार पर विभिन्न प्रकार के कामों का जोड़े में कार्य करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। जोड़े में कार्य को अवश्य ही स्पष्ट और उपयुक्त होना चाहिए ताकि सीखने में अकेले काम करने के मुकाबले साथ मिलकर काम करने में अधिक मदद मिले। अपने विचारों के बारे में बात करके, आपके विद्यार्थी स्वचालित रूप से खुद को और विकसित करने के बारे में विचार करेंगे।

जोड़े में कार्य करने में शामिल हो सकते हैं:

- 'विचार करें-जोड़ी बनाए-साझा करें': विद्यार्थी किसी समस्या या मुद्दे के बारे में खुद ही विचार करते हैं और फिर दूसरे विद्यार्थियों के साथ अपने उत्तर साझा करने से पूर्व संभावित उत्तर निकालने के लिए जोड़ों में कार्य करते हैं। इसका उपयोग वर्तनी परिकलनों के जरिये कामकाज, प्रवर्गों या क्रम में चीजों को रखने, विभिन्न दृष्टिकोण प्रदान करने, कहानी आदि का पात्र होने का अभिनय करने आदि के लिए किया जा सकता है।
- जानकारी साझा करना: आधी कक्षा को विषय के एक पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है; और शेष आधी कक्षा को विषय के भिन्न पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है। फिर वे समस्या का हल निकालने के लिए या निर्णय करने के लिए अपनी जानकारी को साझा करने के लिए जोड़ो में कार्य करते हैं।
- सुनने जैसे कौशलों का अभ्यास करना: एक विद्यार्थी कहानी पढ़ सकता है और दूसरा प्रश्न करता है; एक विद्यार्थी अंग्रेजी में पैसेज पढ़ सकता है, जबकि दूसरा इसे लिखने का प्रयास करता है; एक विद्यार्थी किसी तस्वीर या डायग्राम का वर्णन कर सकता है जबकि दूसरा विद्यार्थी वर्णन के आधार पर इसे बनाने की कोशिश करता है।
- निम्नलिखित निर्देश: एक विद्यार्थी कार्य पूरा करने के लिए दूसरे विद्यार्थी हेतु निर्देश पढ़ सकता है।
- कहानी सुनाना या भूमिका अदा करना: विद्यार्थी जो भाषा वे सीख रहे हैं, उसमें कहानी या संवाद बनाने के लिए जोड़ों में कार्य कर सकते हैं।

सभी को शामिल करते हुए जोड़ी का प्रबंधन करना :

जोड़ी में कार्य करने का अर्थ सभी को काम में शामिल करना है। चूंकि विद्यार्थी भिन्न होते हैं, इसलिए जोड़ों का प्रबंधन इस तरह से करना चाहिए कि प्रत्येक को जानकारी हो कि उन्हें क्या करना है, वे क्या सीख रहे हैं और आपकी अपेक्षाएं क्या हैं। अपनी कक्षा में जोड़े में कार्य को उपयोगी बनाने के लिए, आपको निम्नलिखित काम करने होंगे:

- उन जोड़ियों का प्रबंधन करना जिनमें विद्यार्थी काम करते हैं। कभी-कभी विद्यार्थी मैत्री जोड़ों में काम करेंगे; कभी-कभी वे काम नहीं करेंगे। सुनिश्चित करें कि उन्हें बोध है कि आप उनके सीखने की प्रक्रिया को बढानें में सहायता करने के लिए जोड़ें तय करेंगे।
- अधिकतम चुनौती पेश करने के लिए, कभी-कभी आप मिश्रित योग्यता वाले और भिन्न भाषायी विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें; किसी समय आप एक स्तर पर काम करने वाले विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं।
- अभिलेख रखें ताकि आपको अपने विद्यार्थियों की योग्यताओं का पता हो और आप उसके अनुसार उनके जोड़े बना सकें।
- आरंभ में, विद्यार्थियों को पारिवारिक और सामुदायिक संदर्भों से उदाहरण लेकर, जहां लोग सहयोग करते हैं, जोड़े में काम करने के फायदे बताएँ।
- आरंभिक कार्य को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि विद्यार्थी जोड़े में ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं जैसा आप चाहते हैं, उन पर नजर रखें।
- विद्यार्थियों को उनके जोड़े में उनकी भूमिकाएं या जिम्मेदारियां प्रदान करें, जैसे कि किसी कहानी से दो पात्र, या साधारण वर्गीकरण जैसे '1' और '2',
  या 'क' और 'ख')। यह कार्य उनके एक दूसरे का सामना करने से पूर्व करें ताकि वे सुनें।
- सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी एक दूसरे के सामने बैठने के लिए आसानी से मुड़ या घूम सकें।

जोड़ी में कार्य के दौरान, विद्यार्थियों को बताएं कि उनके पास प्रत्येक काम के लिए कितना समय है और उनकी नियमित जांच करते रहें। उन जोड़ों की प्रशंसा करें जो एक दूसरे की मदद करते हैं और काम पर बने रहते हैं। जोड़ों को आराम से बैठने और अपने खुद के हल ढूंढने का समय दें – विद्यार्थियों को विचार करने और अपनी योग्यता दिखाने से पूर्व ही जल्दी से उनके साथ शामिल होने का प्रलोभन हो सकता है। अधिकांश विद्यार्थी प्रत्येक के बात करने और काम करने के वातावरण का आनंद लेते हैं। जब आप कक्षा में देखते हुए और सुनते हुए घूम रहे हों तो नोट बनाएं कि कौन से विद्यार्थी एक साथ कार्य करनें में सुविधा अनुभव कर रहें हैं। हर उस विद्यार्थी के प्रति सचेत रहें जिसे शामिल नहीं किया गया है, और किसी भी सामान्य गलतियों, अच्छे विचारों या सारांश के बिंदुओं को नोट करें।

कार्य के समाप्त होने पर आपकी भूमिका उनके बीच की कड़ियां जोड़ने की है जिनको विद्यार्थियों ने बनाया है। आप कुछ जोड़ों का चुनाव उनका काम दिखाने के लिए कर सकते हैं, या आप उनके लिए इसका सार प्रस्तुत कर सकते हैं। विद्यार्थियों को एक साथ काम करने पर उपलब्धि की भावना का एहसास करना पसंद आता है। आपको हर जोड़े से रिपोर्ट लेने की जरूरत नहीं है – इसमें काफी समय लगेगा - लेकिन आप उन विद्यार्थियों का चयन करें जिनके बारे में आपको अपने अवलोकन से पता है कि वे कुछ सकारात्मक योगदान करने में सक्षम होंगे और जिससे दूसरों को सीखने को मिलेगा। यह उन विद्यार्थियों के लिए एक अवसर हो सकता है जो आमतौर पर अपना विश्वास कायम करने हेतु योगदान करने में संकोच करते हैं।

यदि आपने विद्यार्थियों को हल करने के लिए समस्या दी है, तो आप कोई नमूना उत्तर भी दे सकते हैं और फिर उनसे जोड़ों में उत्तर में सुधार करने के संबंध में चर्चा करने के लिए कह सकते हैं। इससे अपने खुद के शिक्षण के बारे में विचार करने और अपनी गलतियों से सीखने में उनकी सहायता होगी।

यदि आप जोड़े में कार्य करने के लिए नए हैं, तो उन बदलावों के संबंध में नोट बनाना महत्वपूर्ण है जिन्हें आप कार्य, समयावधि या जोड़ों के संयोजनों में करना चाहते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसी तरह सीखेंगे और इसी तरह अपने अध्यापन में सुधार करेंगे। जोड़े में कार्य का सफल आयोजन करना स्पष्ट निर्देशों और उत्तम समय प्रबंधन के साथ-साथ संक्षिप्त सार संक्षेपण से जुड़ा है – यह सब अभ्यास से आता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Some helpful websites referring to paired reading:
  - http://www.readingrockets.org/strategies/paired_reading
  - http://www.moray.gov.uk/moray_standard/page_62204.html

- Some helpful websites referring to paired work in the classroom:
  - http://www.teachingenglish.org.uk/language-assistant/primary-tips/working-pairs-groups

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Glasner, E. and Mahmout, U. (2005) 'Putting paired learning into practice in the primary classroom' (online), University of Newcastle upon Tyne/Campaign for Learning. Available from: http://www.campaign-for-learning.org.uk/cfl/assets/documents/CaseStudies/L2L_cs_fleecefield_ph3.pdf (accessed 18 November 2014).

Jolliffe, W. (2007) *Cooperative Learning in the Classroom: Putting it into Practice*. London: Sage Publications.

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थिया के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।